Mitch an India The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—-उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 242]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 7, 1975/झाणाइ 16, 1897

No. 242]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 7, 1975/ASADHA 16, 1897

इस भाग में भिन्म पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it; may be filed

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

as a separate compliation

(Department of Agriculture)
ORDER

New Delhi, the 7th July 1975

S.O. 331(E).—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary so to do for maintaining and increasing supplies of milk and for securing its equitable distribution in the areas comprising the Union territory of Delhi and the Districts of Meerut and Bulandshahr in the State of Uttar Pradesh.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order, namely:—

- 1. Short title, extent and commencement.—(1) This Order may be called the Delhi. Mcerut and Bulundshahr Milk and Milk Products (Export) Control Order, 1975.
- (2) It extends to the areas comprising the Union territory of Delhi and the Districts of Meerut and Bulandshahr in the State of Uttar Pradesh.
- (3) It shall cease to operate on the 1st day of September, 1975 except as respects things done or omitted to be done before such cesser of operation.
 - 2. Definitions.—In this Order, unless the context otherwise requires,—
 - (a) "controlling officer" means any officer appointed as such by the Government of
 Uttar Pradesh in respect of the Districts of Meerut and Bulandshahr and by
 the Delhi Administration in respect of the Union territory of Delhi, to
 exercise the powers and perform the duties of a controlling officer under
 this Order;

(1621)

- (b) "export" means to take or cause to be taken, by any means whatsoever, out of any place within the areas to which this order extends to any place outside those areas;
- (c) "milk" means the normal, clean and fresh secretion obtained by milking of the udder of a cow, buffalo, goat or sheep and includes milk with or without fat, butter milk, standardised milk, toned milk, double toned milk or milk prepared from milk powder, but does not include the article commonly known as dried milk or milk powder or condensed milk.
- 3. Prohibition of export of milk and milk products.-No person shall-
 - (a) export milk or milk products of any kind except sour butter milk, or
 - (b) export or cause to be exported, cream, casein (excepting casein manufactured from sour milk for industrial purposes) skimmed milk knoa, rubrec, paneer or any kind of sweets in the preparation of which milk or any of its products (including dried milk or milk powder or condensed milk) except ghee, is an ingredient:

Provided that nothing in this clause shall apply to the export of milk or milk products of any kind by a person engaged in the manufacture of infant milk food—whose undertaking has been registered or licensed under the—

- (i) Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), and
- (ii) who has been exporting milk of any kind for the purpose of the manufacture of infant milk food immediately preceding the commencement of this Order, if he has obtained a permit to that effect from the controlling officer.
- 4. Power of entry, search, seizure, etc.—(1) Any Stipendary Magistrate or any police officer, not below the rank of a head constable may with a view to securing compliance with this Order or to satisfying himself that this Order is being complied with:—
 - (a) stop and search any person or any boat, moter or other vehicle or any receptacle or machinery used or intended to be used for export of milk or milk products;
 - (b) seize or authorise to seizure of any milk or milk products in any place or premises together with packages, coverings, receptacles or machinery in which milk or milk products are found or the animals, vehicles, vessels, boats or other conveyances used in carrying milk or milk products for export and thereafter take all measures necessary for securing the production of the packages, coverings, receptacles or machinery so seized in a court and for their safe custody pending such production.
- (2) The provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), relating to search and seizure shall, so far as may be, apply to searches and seizures under this Clause.
- 5. Repeal and saving.—The Delhi, Meerut and Bulandshahr (Milk and Milk Products) Control Order, 1975 is hereby repealed except as respects things done or omitted to be done before such repeal.

[No. 6-1/75-LD.I] I. J. NAIDU, Addl. Secy.

कृषि ग्रौर सिचाई मंत्रालय (कृषि विभाग)

धारेण

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1975

कां जा 331 (ज).—यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि दुध के प्रदायों को बनाए रखने श्रीर बढ़ाने श्रीर दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र श्रीर उत्तर प्रदेश राज्य के मेरठ श्रीर बुलन्दशहर जिलों के क्षेत्रों में उसका साम्यपूर्ण वितरण सुनिश्चित करने के लिये ऐसा करना श्रावश्यक है।

श्रतः ग्रव श्रावश्यक वस्तु श्रधिनियम, 1955(1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्तं शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्यारा निम्नलिखित श्रादेश करती है, श्रव त् :---

- 1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ .--- (1) यह प्रावेश दिल्ली, मेरठ भीर बुलन्दशहर दूध ग्रीर दुःध उत्पाद नियंत्रण प्रावेश, 1975 कहा जा सकेगा।
- (2) इसका विस्तार दिल्ती सथ राज्य क्षेत्र और जनर प्रदेश राज्य के मेरठ और बुलन्दकहर जितों के क्षेत्रों पर हैं।
- (3) यह 1-9~75 से लागू नहीं रहेगा श्रीर उन बातों के सिवाय जो ऐसे प्रवर्तन की समाप्ति के पूर्व की गई या की जाने से रह गई है।
 - 2. परिभाषा. इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से, अन्यथा अपेक्षित न हो :--
 - (क) "नियन्त्रक श्रधिकारी" से वह श्रधिकारी श्रभिश्रेत हैं, जिससे मेरठ श्रौर बुलल्दशहर जिलों के संबंध में उतार प्रदेश राज्य सरकार के श्रीर दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र के संबंध में दिल्ली प्रशासन ने इस श्रादेश के श्रधीन नियंत्रण श्रधिकारी को शक्तियों का प्रयोग श्रीर कर्तव्यों का पालन करने के लिए इस हैसियत में नियुक्त किया है।
 - (ख) "नियति" से ऐसे क्षेत्रों के बाहर, जिन पर इस भादेश का विस्तार है, भीतर के किसी क्षेत्र से उन क्षेत्रों के बाहर के किसी क्षेत्रों को, किसी भी साधन से, ले जाना या लिया जाना भ्रभित्रत है।
 - (ग) ''दूब'' से श्रभिप्रेत है गाय, भैंस, बकरी या भेड़ के घतों से प्राप्त प्रसांमान्य, स्वक्छ, श्रीर ताजा स्त्राध श्रीर इसके श्रन्तर्गत बसा सहित या रहित दूध; मट्डा मानकित दूध, टोंड दूध, डबल टोंड दूध या दुग्ध चूर्ण से बना दूध श्राता है किन्सु इसके श्रन्तर्गत यह यस्तु नहीं है जिसे सामान्यतया सुखाया दृश्य वूर्ण या संधनित दूध कहते हैं।

3. वृष ग्रीर वृष्य उत्पादों के नियति का प्रतिवेध . ---

- (क) कोई व्यक्ति खट्टे दूध सिवाय दूध या दुग्ध उस्पाद निर्यात नहीं करेगा।
- (ख) कोई व्यक्ति कीम, केसीन (उस कैसीन को छोड़ कर जो खट्टे दूध से ब्रौद्योगित प्रयोजनों के लिए तैयार किया हो) कीम निकले दूध, खोया, रबड़ी, पनीर या दुख (सुखे दूब या दुख चूर्गया संजनित दूध) के पदार्थी से बनी किसी प्रकार की ऐसी मिठाइयों का प्रयोग नहीं करेगा।
- (ग) इस धारा की कोई भी बात किसी एसे व्यक्ति पर लागू नहीं होती जो शिशु दुग्ध ग्राहार के विनिर्माण में लगा हुन्ना है ऋौर जिसका उपक्रम (1) उद्योग (विकास तथा विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) के श्रिधीन रिजस्टर वा श्रृतुशापित किया हुन्ना है तथा
- (2) शिश् आहार के विनिर्माण के प्रयोग के लिए इस आदेश के आरम्भ होने से पुरन्त पूर्व किसी प्रकार ने दूध को निर्यात करता रहा है और यदि उस ने नियंत्रक अधिकारी से उस आशय की अनुशस्ति प्राप्त कर ली है।

- 4. प्रवेश, तलाशो, प्रभिष्ठ मानि की शक्तियां :-- (1) कोई भी वैतानिक मजिस्ट्रेट प्रवंग कोई भी पुलिस अधिकारी, जो हैड कांस्ट्रेबल से नीचे के दर्जे का नही इस आदेश के अनुपालन को सुनिश्चित करने की दृष्टि से या अपना यह समाधान करने की दृष्टि से कि आदेश का समुपालन किया जा रहा है :---
 - (क) किसो भी व्यक्ति को या किसी नाव, मोटर या झन्य गाड़ी या किसी पाल या मणीनरी को, जो दूध के निर्यात के लिए या दुग्ध उत्पादनों के विनिर्माण के लिये प्रयोग में लाई गई हों या जिसको प्रयोग में लाना श्रणंकित हो, रोक सकेगा श्रीर उसकी तलाणी ले सकेगा।
 - (ख) किसी भी स्थान या परिसर में कोई दूध या दुग्ध पदार्थ और पैकेज, ध्रावरण, पाल या मशीनरी, जिनसे दूध या दुग्ध पदार्थ पाए जाते हैं या जिनके साथ ऐसे दुग्ध पदार्थ पाय जायं या निर्यात के लिए दूध या दुग्ध पदार्थ ले जाने के उपयोग में लाए जाने वाले पशुभों, गाड़िगों जलयानों या नावों का अन्य सवारियों को भ्रभिगृति कर सकेगा या उनका श्रभिग्रहण प्राधिकृत कर सकेगा श्रोर इस प्रकार ध्रभिगृहित पैकेजों, ध्रावरणों पाल्लों या मशीनरी को किसी न्यायालय में पेश करना श्रीर जब तक वे पेश किये जायें तब तक उनकी सुरक्षित ध्रभिरक्षा सुनिध्चित करने के लिए एतद्द्वारा तत्मश्चात् सभी ध्रावस्यक उपाय करेगा।
- (2) दण्ड प्रिक्षिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की तलासी श्रीर श्रिभग्रहण सम्बन्धी धाराश्री 100 के उपबन्ध इस खण्ड के श्रधीन तलासी श्रीर श्रिभग्रहणों को याक्तशक्य लागू होंगे।
- 5. मिरसम तथा ग्रपवाव : सिवाए उन बातों के जो ऐसे निरसन से पहले की गई हैं या न की जा सकी हों, दिल्ली मेरठ तथा बुलन्दशहर (दुग्ध तथा दुग्ध उत्पाद) नियंत्रण भ्रादेश, 1975 को शतद्वारा निरसित किया जाता है।

[सं•-61/75-एल० डी०1] झाई० जे० नायडू, झपर सचिव, ।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

ERRATA

In the Ministry of Home Affairs Orders No. II/14011/2/75-S&P(D.IV), dated the 5th July, 1975, published under Issue Nos. 237 and 238 in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 5th July, 1975 under S.O. Nos. 314(E) and 315(E), the following corrections are to be made:—

- For Issue No. 237 read Issue No. 238. For page No. 1593 read page No. 1595.
- (2) For Issue No. 238 read Issue No. 239. For page No. 1595 read page No. 1597.